

## नगालैंड के सीमांत क्षेत्र की मांग

[स्रोत: द हट्टि](#)

गृह मंत्रालय (MHA) ने ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइज़ेशन (ENPO) द्वारा प्रस्तावित फ्रंटियर नगालैंड क्षेत्र (Frontier Nagaland Territory- FNT) में स्वायत्तता की मांग पर सहमत वियक्त की है।

### नगालैंड का सीमांत क्षेत्र (FNT)

- **परिचय:**
  - FNT एक प्रस्तावित प्रशासनिक क्षेत्र है जिसकी मांग ENPO द्वारा नगालैंड के 6 पूर्वी ज़िलों- कफिरि, लोंगलेंग, मोन, नोकलाक, शामटोर और तुएनसांग में वकिसात्मक असंतुलन का समाधान करने के उद्देश्य से की गई थी।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य बेहतर प्रशासन और "वकिसा असंतुलन" का समाधान करने हेतु केंद्रति संसाधन आवंटन को संभव बनाते हुए उक्त ज़िलों को कार्यकारी, वधायी और वत्तीय स्वायत्तता प्रदान करना है।
- **महत्त्व:**
  - इन ज़िलों में 7 नगा जनजातियाँ (कोन्याक, खयामनयुंगन, चांग, संगतम, तखिरि, फोम और यमिखडिग) पाई जाती हैं जो नगालैंड की कुल जनसंख्या का 30% हैं और कुल 60 वधियानसभा सीटों में से 20 सीटें यहाँ से हैं।
- **पृष्ठभूमि:**
  - पूर्वी नगालैंड के लिये एक अलग राज्य की मांग वर्ष 2010 से शुरू हुई थी, जिसका नेतृत्व ENPO ने संबद्ध क्षेत्र में वकिसा संबंधी गंभीर अभाव का हवाला देते हुए किया था।

### नगालैंड:

- 1947 में स्वतंत्रता पश्चात् भी नगा क्षेत्र असम का हिस्सा बना रहा। इसे 1 दसिंबर 1963 को नगालैंड राज्य अधनियिम, 1962 के तहत एक राज्य के रूप में मान्यता दी गई।

//



(Map not to be scaled)

और पढ़ें: [नगालैंड राज्य दृष्टि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/demand-for-frontier-nagaland-territory>

